350 करोड़ से नेटवर्क को किया अपग्रेड

गर्मियों के लिए बीएसईएस की तैयारी पूरी

दिल्ली की पीक डिमांड 6100 मेगावॉट तक जाने का अनुमान

नई दिल्लीः 4 मार्च अप्रैल, 2016। इस साल गर्मियों में, दिल्ली में बिजली की पीक डिमांड 6100 मेगावॉट पहुंचने का अनुमान है। पिछले साल यह 5846 मेगावॉट थी।

पिछली गर्मियों में बीआरपीएल इलाके में बिजली की पीक डिमांड 2427 मेगावॉट थी, जो इस साल यह बढ़कर 2563 मेगावॉट तक जा सकती है। वहीं, बीवाईपीएल इलाके में पिछले साल बिजली की पीक डिमांग थी 1366 मेगावॉट, जो इन गर्मियों में बढ़कर 1476 मेगावॉट के आंकड़े को छू सकती है।

चालू वित्त वर्ष में वित्तीय संकटों के बावजूद, उपभोक्ताओं को बेहतर बिजली आपूर्ति मुहैया कराने के लिए बीएसईएस ने अपने बिजली नेटवर्क में 350 करोड़ रूपये का निवेश किया है। साथ ही, अपनी बिजली वितरण क्षमता में 450 एमवीए की बढ़ोतरी भी की है।

बीआरपीएल और बीवाईपीएल ने आने वाली गर्मियों के दौरान बिजली की बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए *समर एक्शन प्लान* बना लिया है, और पूरी तैयारी कर ली है। बिजली खरीद समझौतों की पक्रिया पूरी कर, बिजली के पर्याप्त इंतजाम किए जा चुके हैं, ताकि बीएसईएस के 37 लाख ग्राहकों को बेहतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। विभिन्न स्रोतों से बिजली की व्यवस्था की गई है। इनमें, पावर प्लांटों से लॉन्ग टर्म वाले पावर परचेज अग्रीमेंट के अलावा कई राज्यों से पावर बैंकिंग भी शामिल हैं।

सामान्य बिजली खरीद समझौतों के अलावा, गर्मियों में पावर बैंकिंग की भी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। पावर बैंकिंग के माध्यम से जम्मू–कश्मीर से बीआरपीएल और बीवाईपीएल को 150 मेगावॉट बिजली चौबीसों घंटे उपलब्ध होगी। जम्मू–कश्मीर, मई से लेकर सितंबर तक बीएसईएस को बिजली देगा। बीवाईपीएल को मेघालय से भी 50 मेगावॉट बिजली मिलेगी। किसी विशेष पावर प्लांट में बिजली का उत्पादन कम होने या बंद होने की स्थिति में बिजली कंपनियां शॉर्ट टर्म आधार पर पावर एक्सचेंज से बिजली खरीदेंगी।

बिजली की पर्याप्त व्यवस्था करने के अलावा, बीएसईएस ने अपने उपभोक्ताओं को विश्वसनीय बिजली आपूर्ति मुहैया कराने के लिए, अपने बिजली वितरण सिस्टम को सशक्त बनाया है। इसके अतिरिक्त, ज्यादातर ग्रिडों, ट्रांसफॉर्मरों व अन्य महत्वपूर्ण उपकरणों की सर्विर्सिंग व मेंटेनेंस/ रखरखाव का काम भी पूरा हो चुका है। बाकी बचे उपकरणों की सर्विसिंग व मेंटेनेंस का काम भी गर्मियां शुरू होने के पहले ही पूरा कर लिया जाएगा। इसके अलावा, दीन दयाल उपाध्याय मार्ग और नजफगढ़ में दो नए ग्रिड भी लगाए गए हैं, ताकि गर्मियों में उपभोक्ताओं को सुचारू बिजली मुहैया कराई जा सके।

फील्ड में अतिरिक्त वर्कफोर्स की तैनाती की गई है और सब–स्टेशनों की लोड बैलेंसिंग की जा रही है। बिजली आपूर्ति संबंधी शिकायतों के निपटारे व उनकी मॉनिटरिंग के लिए पूर्ण समर्पित टीमों का गठन किया गया है। चौबीसों घंटे काम करने वाले कॉल सेंटर का आकार भी बड़ा किया जा रहा है।

बीएसईएस दिल्ली ट्रांसको के साथ मिलकर काम कर रही है, ताकि गर्मियों में बिजली के बढ़े हुए लोड को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए पूरे ट्रांसमिशन व डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम को पूरी तरह तैयार किया जा सके।

बिजली के तारों के कट जाने से भी बिजली गुल होती है। इसलिए, बीएसईएस सभी सिविक एजेंसियों जैसे दिल्ली मेट्रो, दिल्ली जल बोर्ड, पीडब्ल्यूडी आदि से अपील करती है कि किसी भी तरह की खुदाई करने से पहले वे संबंधित बिजली कंपनी से संपर्क करें/

उनकी अनुमति लें। इससे एक ओर जहां बिजली कंपनियों के कीमती केबल अंडरग्राउंड क्षतिग्रस्त होने से बचेंगे, वहीं लोगों को पावर कट भी नहीं झेलना पड़ेगा।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीआरपीएल और बीवाईपीएल अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

.....